वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट में हिन्दी सप्ताह उद्घाटन समारोह

भारत संघ की अखण्डता और अस्मिता के महान उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हमारें संविधान प्रणेताओं ने 1949 के 14 सितंबर को हिन्दी को राजभाषा के रुप में स्वीकृति दी थी। इसी महत्वपूर्ण दिन को स्मरण करते हुए वर्षा वन अनुसंधान संस्थान में दिनांक 8 से 15 सितंबर, 2015 तक हिन्दी सप्ताह समारोह आयोजन किया जा रहा है। हिन्दी सप्ताह का शुभारंभ 8 सितंबर के प्रातः 10 बजे उद्घाटन समारोह के साथ किया गया जिसमें संस्थान के निदेशक आर.एस.सी. जयराज, भा.व.से., सभी प्रभागों के प्रभागाध्यक्ष, वैज्ञानिकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण और शोधार्थी उपस्थित थें। कायक्रम का शुभारंभ पारंपरिक तरीके से दीप प्रज्वलित करके किया गया। कार्यकारी हिन्दी अधिकारी डॉ. विपिन प्रकाश ने सप्ताह भर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रुपरेखा सभा के समक्ष रखते हुए कहा कि इस बार कविता पाठ, निबंध, आशुभाषण, राजभाषा ज्ञान, वाद-विवाद तथा प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी।

मंचासीन प्रभागाध्यक्षों में से डॉ. आर.के.बोरा, वैज्ञानिक-एफ ने हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा उठाए गये कदमों की सराहना की तथा सबकों विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए आह्वान किया। श्री राजीब कुमार कलिता ने अपने वक्तव्य में कहा कि हिन्दी में बहुत अधिक व्यापकता है तथा देश में ही नहीं कई विदेशों में हिन्दी का पठन-पाठन हो रहा है। सभा के मध्य हिन्दी परीक्षा सफलता पूर्वक पास करने वाले संस्थान के कार्मिकों को माननीय निदेशक महोदय के कर-कमलों से प्रमाण पत्र प्रदान किए। श्री निबेदिता बरुआ दत्त , अनुसंधान सहायिका ने हिन्दी सप्ताह समारोह पर सबको शुभकामनाएं दी। इसके बाद श्री शंकर शर्मा , कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक ने सबका धन्यवाद ज्ञापन किया और संस्थान में हो रही राजभाषा गतिविधियां संबंधी संक्षिप्त लेखा-जोखा सभा के समक्ष रखा। अपने वक्तव्य में उन्होंने राजभाषा हिन्दी के प्रोत्साहन के लिए चल रही विभिन्न योजनाओं के बारे में सभा को अवगत किया गया।

अपने अध्यक्षीय भाषण में माननीय निदेशक महोदय आर.एस.सी. जयराज ने नई भाषा सीखने के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति सिर्फ एक भाषा तक ही सीमित न रहे। भाषा सीखना एक कला है। जितनी भाषा हम सीखेंगे उतनी हमारी विभिन्न प्रदेशों के लोगों से संपर्क करने की क्षमता बढ़ेगी। आपसी सांस्कृतिक संवर्धन तभी हो सकता है। हमारी नींव हमारी मातृभाषा है। मातृभाषा को हमेशा आगे रखकर दूसरी भाषाएँ सीखनी चाहिए। अपने भाषण में उन्होंने सभी को हिन्दी सप्ताह सफल बनाते हुए सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए आह्वान किया तथा हिन्दी सप्ताह समारोह की औपचारिक शुभारंभ की घोषणा की। कार्यक्रम की प्रस्तुति कुमारी प्रिया ढूंगाना, वरिष्ठ शोधार्थी कर रही थी।

हिन्दी सप्ताह के प्रथम दिन अर्थात् दिनांक 8 सितंबर को निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। निबंध लेखन के विषय थें – क) भारत की उन्नति में हिन्दी भाषा का योगदान, ख) भारत की अखंडता, और ग) असम की संस्कृति ।

उद्घाटन समारोह के कुछ दृश्य